No. of Printed Pages : 7

MESE-062

00370

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2011

MESE-062 : VOCATIONAL EDUCATION

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i) All the questions are* ***compulsory****.*

(ii) All the questions carry ***equal*** *weightage.*

Answer the following question in about **600** words.

1. Define the term "Vocational Education". Explain its important features in the light of recommendations given in National Curriculum Framework for School Education (NCF2005) with respect to vocational education programme. Suggest a road map for a viable vocational education programme to meet the need for global work force.

OR

Analyse the possibilities and prospects of 'Vocational education for all' in the present day Indian context. Describe the functional aspects of its planning and implementation with focus on women and the marginalised groups of society.

Answer the following question in about **600** words.

2. Explain various mechanisms existing in the country for implementing vocational education and training (VET) progamme. Analyse and suggest steps to make the VET programme more successful and meaningful to the community. What role the ODL system can play in expanding the VET programme ?

OR

Reflect on the introduction of vocational stream at senior secondary stage as recommended in the NPE (1986). Enumerate some of the constraints faced in implementation of vocational education programme. Identify the important support systems required for implementation of vocational education programme in the country.

3. Answer *any four* of the following in **150** words each.

   (a) What initiatives need to be taken at the National and State levels to provide quality training to the vocational learners ?

   (b) How competency based curriculum, is developed ? Explain the process and institutional arrangements for development of competency in one of the vocational areas.

   (c) Explain the salient features of dual system of vocational eduction followed in Germany.

(d) What are the major objectives of work education/work-centred education ? How do you relate these objectives to the present day societal context ?

(e) Define the concept 'supply driven to demand driven VET : How can the demands be determined in this context ?

(f) What are the major objectives of enterprise education ? How well can it satisfy the needs and requirements of VET ?

4. What are the dimensions for characterizing "Human Development Index -HDI" ? Reflect an education as an instrument for human development. How do you relate Vocational Education of Training (VET) to human development ?

OR

What are the characteristics of 'lifelong learning'? Propose a model for flexible VET system with inbuilt provision for lifelong learning. The model may have concepts of credit accumulation competence certificates, multi-entry and multi-exit system.

एम.ई.एस.ई.-062

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2011

एम.ई.एस.ई.-062 : व्यावसायिक शिक्षा

समय : 3 घंटे *अधिकतम भारिता : 70%*

Note : (i) ***सभी*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों की* ***भारिता समान*** *है।*

निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दीजिए।

1. 'व्यावसयिक शिक्षा' शब्द की परिभाषा दीजिए। व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम के सम्बन्ध में विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढाँचा (एन. सी. एफ.2005) में दी गई अनुशंसाओं के प्रकाश में इसकी महत्वपूर्ण विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। वैश्विक कार्यबल की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु जीवनक्षम (व्यवहार्य) व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम के लिए एक रोड मैप सुझाइये।

अथवा

'सभी के लिए व्यावसायिक शिक्षा' की सम्भावनाओं एवं प्रत्याशाओं (possibilities and prospects) का वर्तमान भारतीय सन्दर्भ में विश्लेषण कीजिए। महिलाओं और समाज के सीमान्त समूहों के संकेन्द्रण के साथ इसकी योजना और क्रियान्वयन के प्रकार्यात्मक पहलुओं का वर्णन कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्न का लगभग *600* शब्दों में उत्तर दीजिए।

2. व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वेट) कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए देश में विद्यमान विभिन्न तन्त्रों की व्याख्या कीजिए। समुदाय के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वेट) कार्यक्रम को अधिक सफल और अर्थपूर्ण बनाने के लिए उपाय सुझाइये और उनका विश्लेषण कीजिए। व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वेट) कार्यक्रम को बढ़ाने में मुक्त एवं सुदूरवर्ती शिक्षा (ओ.डी.एल) व्यवस्था क्या भूमिका अदा कर सकती है?

अथवा

वरिष्ट माध्यमिक स्तर पर व्यावसायिक वर्ग/श्रेणी (vocational stream) के आरंभ करने पर विचार कीजिए जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.पी.ई) 1986 में अनुशंसित किया गया है। व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम क्रियान्वयन में आये कुछ निरोधों/प्रतिबन्धों के नाम बताइये। देश में व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण समर्थन प्रणालियों (support systems) की पहचान कीजिए।

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए।

(a) व्यावसायिक शिक्षार्थियों को गुणात्मक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर कौन से उपक्रमण आवश्यक हैं?

(b) सुयोग्यता (competency) आधारित पाठ्यचर्या का विकास किस प्रकार किया जाता है? किसी व्यावसायिक शिक्षा में सुयोग्यता के विकास के लिए प्रक्रियाओं और संस्थागत प्रबन्धों की व्याख्या कीजिए।

(c) जर्मनी में अनुसरण की जा रही व्यावसायिक शिक्षा की द्वैत प्रणाली की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

(d) कार्य शिक्षा/कार्यकेंन्द्रित शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं ? वर्तमान सामाजिक सन्दर्भ से आप इन उद्देश्यों को कैसे सम्बन्धित करते हैं।

(e) 'आपूर्ति चालित से माँग चालित व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वेट)' की संकल्पना को परिभाषित कीजिए। इस सन्दर्भ में माँगों को किस प्रकार निर्धारित किया जा सकता है ?

(f) उद्यम शिक्षा के मुख्य उद्देश्य क्या है ? यह व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वेट) की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं की ठीक तरह से संतुष्टि किस प्रकार कर सकती है ?

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए। मानव विकास सुचकांक (एच.डी.आई) का स्वरूप दर्शाने के आयाम कौन से हैं ? मानव विकास के लिए शिक्षा एक उपकरण है। इस पर विचार कीजिए। व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वेट) को आप मानव विकास से कैसे सम्बन्धित करते हैं ?

अथवा

'आजीवन अधिगम' की विशेषतायें कौन सी हैं ? आजीवन अधिगम के लिए अन्तर्निहित प्रावधानों के साथ लचीली व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वेट) प्रणाली के लिए एक प्रतिमान (माडल) सुझाइये। प्रतिमान में क्रेडिट-संचयन, सुयोग्यता, प्रमाणन, बहु-निविष्ट और बहु-निर्गम प्रणाली के विचार हो सकते हैं।